एक नजर
श्री गोवर्धन गोशाला बरमंडल में पौधारोपण किया गया

सरदारपुर । अतुल फाउंडेशन द्वारा ग्राम बरमण्डल जिला धार में श्री गोवर्धन गोशाला में एक लक्ष्य लाख वृक्ष के तहत वृक्षारोपण किया गया जिसमे वरिष्ठ नागरिको युवाओं ने हिस्सा लिया जिसमें गौशाला अध्यक्ष गणपत लाल गुजरिया ,सचिव शंकर लाल मारु, गौ सेवक दिलीप धनेरिया बाबू?लाल धाकडिया ,मां उमिया कृषि सेवा केन्द्र-बर्मंडल के संचालक संदीप पाटीदार अतुल लिमिटेड के मार्केट डेवलपमेन्ट ऑफिसर विजय वर्मा व ग्रामीण जनो ने हिस्सा लिया अतुल लिमिटेड के स्व्शश विजय वर्मा ने बताया कि कम्पनी का उद्देश्य केवल व्यापार तक सिमित नही है कंपनी प्रतिवर्ष वृक्षारोपण, महिला सशक्तिकरण रोजगार उन्नमुखी कार्यक्रम चलाती हैं

स्वास्थ्य विभाग सरदारपुर की समीक्षा बैठक आयोजित

सरदारपुर । स्वास्थ्य विभाग सरदारपुर की सभी राष्ट्रीय कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक सिविल अस्पताल सरदारपुर में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर नंदिता निगम एवं अनुविभागीय अधिकारी आशा परमार द्वारा ली गई बैठक में मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अरुण कुमार एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ शीला मुजाल्दा डॉक्टर नितिन जोशी डॉ दीपक सोलंकी एवं समस्त सेक्टर मेडिकल ऑफिसर सेक्टर सुपरवाइजर कम्युनिटी हेल्थ ऑफीसर महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं विकासखंड स्तरीय कर्मचारी उपस्थित रहे बैठक में अनुविभागीय अधिकारी द्वारा सारे राष्ट्रीय कार्यक्रम जिम्मेदारी के साथ समय पर पूर्ण करने के लिए निर्देश दिए एवं सभी कर्मचारी एवं अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रतिदिन समय पर अपने कार्य स्थल पर पहुंचे कोई भी कर्मचारी एवं अधिकारी बिना कारण अनुपस्थित पाये जाने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए साथ ही जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर नंदिता निगम द्वारा विस्तृत में मातृत्व स्वास्थ्य के अंतर्गत पीएमएसए कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी किस प्रकार गर्भवती माता की जांच एवं समय पर उसकी सारी सेवाएं देना है जिले में हो रही मातृ मृत्यु किस कारण से हो रही है उसे केसे रोकने के सार्थक प्रयास किये जाए उस बारे में भी सभी कर्मचारियों को समझाइए दी एवं अनमोल पोर्टल पर समय पर गर्भवती माता का पंजीयन उनकी समस्त जांच सभी लोगों की आभा आईडी एवं 0 से40 वर्ष के व्यक्तियों की सिकल सेल की जांच अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए एवम पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड शीघ्रता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए ,बैठक के दौरान नवजात शिशु व धात्री माता की गृह आधारित भेंट गंभीरता से करने व उच्च जोखिम के बच्चो का संस्था व समुदाय आधारित फॉलोअप करने पर विशेष ध्यान देने हेतु निर्देशित किया गया मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी के द्वारा योजना वार सभी राष्ट्रीय कार्यक्रमों की समीक्षा की एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले देदला, धूलियाखे?ी, एवम पदमपुरा, उप स्वास्थ्य केंद्र के कम्युनिटी हेल्थ ऑफीसर को नगद पुरस्कृत कर बधाई दी एवं जिन कर्मचारियों का कार्य निम्न स्तर का पाया गया उन्हें सात दिवस में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए एवं समय पर कार्य पूर्ण नहीं होने की स्थिति में कार्रवाई करने हेतु वरिष्ठ कार्यालय को लिखे जाने संबंधी निर्देश दिए बैठक में दस्तक अभियान का प्रशिक्षण दिया गया एवं सभी मैदानी कर्मचारियों को स्कूली छात्र एवं छात्राओं के नेत्र परीक्षण करने हेतु निर्देश दिए गए एवं मोतियाबिंद के मरीजों की पहचान कर उन्हें ऑपरेशन हेतु सूचीबद्ध कर समय सीमा में भेजने हेतु निर्देश दिए गए बैठक में अनुपस्थित पाए गए कर्मचारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए

बरसाती बीमारियों की दी जानकारी, बचाव के बताए उपाय

सरदारपुर । को शासकीय आईटीआई कॉलेज पसावदा सरदारपुर में स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत वर्तमान में वर्षा ऋतु प्रारंभ है। इस दौरान मच्छर जनित बीमारियों के प्रति जन- जागरूकता लाने के लिए जिला मलेरिया अधिकारी श्री धर्मेंद्र जैन सर तथा जिला मलेरिया सलाहकार श्री रेवचंद्र जी कटरा सर तथा मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी श्री अरुण कुमार मोहरानी सर के नेतृत्व में वेक्टर जनित रोग नियंत्रण के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। जिसमें इन बीमारियों के बचाव,उपचार, निदान के बारे में जानकारी प्रदान की गई । इस कार्यशाला में कॉलेज में अध्यनरत छात्र-छात्राओं,शिक्षक - शिक्षिकाओं को तथा अन्य स्टाफ तथा स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे। छात्र-छात्राओं, शिक्षक - शिक्षिकाओं को मलेरिया, डेंगू ,चिकनगुनिया आदि रोगों के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। तथा उनके बचाव ,उपचार, निदान के बारे में बताया गया । साथ ही मच्छरदानी में सोने नीम की पतियों का धुआं करने । किसी भी कंटेनर में जैसे - पानी की टंकी, टायर , कुलर , गमले, मटके, अन्य अनूउपयोगी सामग्री, नारियल का खोल, प्लास्टिक की बेकार बड़ी वस्तुएं, ऐसी वस्तुएं जिनमें सात दिनों से ज्यादा पानी जमा हो। उन सभी को चेक करना तथा अगर उनमें लार्वा बनता है। तो उसे नष्ट करना। लार्वा के बारे में पहचान तथा लार्वा के बारे में बताना। साथी गमबुसिया मछली के बारे में बताना जो की जैविक नियंत्रण करते हैं । इस प्रकार बुखार आने पर स्वास्थ्य कर्मचारी या शासकीय अस्पताल जाना। साथ ही कहीं पर भी पानी जमा हो तो उसे पानी की निकासी करना पानी के गड्ढे में मिट्टी डालना या जला आइल डालना। इस दौरान कॉलेज में बच्चों का स्वास्थ्य बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही कॉलेज में लार्वा सर्वे भी किया गया । इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम जिसमें एएनएम सुनीता सोलंकी , मोनिका चौहान सि एच ओ, ममता डावर आशा कार्यकर्ता, सुनीता सोलंकी आशा सुपरवाइजर, श्री वीरेंद्र सिंह राठौड़ कॉलेज एडमिन सर उपस्थित थे । श्री जितेन चौधरी जी मिलेरीया निरीक्षक उपस्थित थे ।

216 वर्ग किमी जमीन खरमोर अभयारण्य से बाहर, 14 गांवों के किसानों को राहत

केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर की पहल पर खरमोर अभयारण्य अब केवल 132 वर्ग किलों मीटर में रहेगा

सावित्री ठाकुर ने मुख्यमंत्री डॉ मोहनजी यादव का जताया विशेष आभार

धार । जिले की सरदारपुर विधानसभा में खरमोर अभयारण्य का 348 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र डिनोटिफाइ किया गया हैं। जिससे सरदारपुर विधानसभा की 14 ग्राम पंचायतों को राहत मिली हैं। इसको लेकर प्रदेश सरकार द्वारा राजपत्र भी जारी किया गया हैं। इसमे क्षेत्रीय सांसद तथा केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने अहम भूमिका निभाई हैं। उन्होंने ना सिर्फ इसको लेकर लगातार पत्राचार किया बल्कि संसद के विभिन्न सत्रों में भी इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था।

केंद्रीय राज्यमंत्री एवं धार-महू लोकसभा क्षेत्र सांसद सावित्री ठाकुर भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन जी यादव का जताया विशेष आभार।

उक्त जानकारी देते हुए राजग? के भाजपा नेता नवीन बानिया ने बताया कि केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीमती ठाकुर जब पहली बार लोकसभा का चुनाव ल?ी थी। तब उनके समक्ष प्रभावित गांवो के लोगों ने खरमोर अभयारण्य को लेकर अपनी समस्याएं बताई थी। जिसके बाद श्रीमती ठाकुर ने सबसे पहले संसद में आवाज उठाते हुए वर्ष 2014 में तत्कालीन वन मंत्री गौरीशंकर शेजवार व विजय शाह एवं तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से चर्चा कर इस मामले को दिल्ली तक पहुंचाया। तथा तत्कालीन केंद्रीय वन मंत्री अनिल माधव दवे से इस फाइल को इस निर्णय स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्तमान में केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीमती ठाकुर द्वारा इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तत्कालीन, वन मंत्री रामनिवास रावत से मुलाकात कर यहां की जमीन के बदले अन्य अभ्यारण में जमीन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव से भी मिलकर खरमोर अभयारण्य का मामला उठाया। खरमोर अभयारण्य की भूमि को संसोधित करवाने में तथा सरदारपुर विधानसभा की 14 ग्राम पंचायतों के लोगो को राहत दिलवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर का क्षेत्र के लोगो ने आभार जताया है।

प्रभावित लोगों के साथ ही मंडल अध्यक्ष गिरधारी चौधरी, मदन चोयल, ओंकार जाट, भाजपा नेता मनोज माहेश्वरी, दारासिंह चौहान, नीलेश परमार, शुभम जोक्शन, पार्षद चिंटू चौहान, पंकज बारो?, रमेश राजपूत, शंभूलाल परवार, नीलेश सोनी, मुकेश खिमुर, मोतीसिह राठौ?, ज्ञानेंद्र जैन, रामचंद्र कुमावत, मनोहर कुमावत, गेंदालाल राठौ?, उदय सिंह, बालसिह वसुनियां, मुकेश कुमावत, बाबूजी चौधरी, देवा सिंगार, देवेंद्र राउ सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर का आभार व्यक्त कर क्षेत्र वासियों की ओर से उन्हें धन्यवाद प्रेषित किया है।

> मध्य प्रदेश के धार जिले के सरदारपुर क्षेत्र स्थित खरमोर अभयारण्य को लेकर मध्य प्रदेश सरकार के वन विभाग ने अहम फैसला ले लिया है। इसके चलते 3 जुलाई को एक अधिसूचना जारी करते हुए खरमोर अभयारण्य के 348.12 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में से करीब 216 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल राजस्व जमीन में शामिल कर लिया गया है। अब अभयारण्य 132.5 वर्ग किलोमीटर में ही रह जाएगा। इस तरह के फैसले से धार जिले की सरदारपुर तहसील 14 ग्राम तथा झाबुआ जिले की पेटलावद व झाबुआ तहसील के कई ग्रामों के लोगों को लाभ मिलेगा।
>
> बता दें कि वन विभाग द्वारा पक्षी-विज्ञानी सालीम आली की खोज के बाद और उनकी पहल पर 4 जून 1983 को धार जिले के सरदारपुर क्षेत्र में और उससे लगी हुई करीब 348.12 वर्ग किलोमीटर राजस्व क्षेत्र को अभयारण्य घोषित किया गया था।
>
> यह थी समस्या जब से यह अभयारण्य बना था और इसकी अधिसूचना जारी हुई थी, तब से खरमोर पक्षी को लेकर यह कवायद की गई थी। ऐसे में इस राजस्व क्षेत्र में आने वाले ग्रामीणों की जमीन की खरीदी-बिक्री नहीं हो पा रही थी। किसान लगातार परेशान थे। सरदारपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए यह अहम चुनावी मुद्दा रहा है।

सिंघाना के युवा कवि पंकज राठौर प्रखर को काव्यदीप सम्मान से नवाजा

ग्राम सिंघाना के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि

पंडित संजय कुमार मिश्रा

सिंघाना. धार जिले की मनावर तहसील के सबसे विकासशील ग्राम सिंघाना के युवा कवि पंकज राठौर प्रखर को हिंदी काव्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु काव्यदीप सम्मान से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें काव्य कुँअर 2025 व काव्यदीप सम्मान समारोह में प्रदान किया गया, जो विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन में मातृ?भाषा उन्नयन संस्थान व डॉ. कुँअर बेचैन स्मृति न्यास (ऑस्ट्रेलिया) के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।

यह सम्मान उन युवा कवियों को दिया जाता है, जो जनभावनाओं को स्वर देते हुए साहित्यिक नवचेतना का संचार कर रहे हैं। कवि पंकज राठौर प्रखर की रचनाधर्मिता में वीर रस, लोकसंवेदना, समसामयिक यथार्थ और काव्यात्मक सरलता का समुचित समावेश देखा गया है। उनका चयन प्रदेश स्तर पर हुई प्रक्रिया के अंतर्गत हुआ, जो स्वयं में ग्रामवासियों के लिए अत्यंत गर्व की बात है।कार्यक्रम में कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज, कुलानुशासक डॉ. शैलेन्द्र कुमार शर्मा, तथा वरिष्ठ साहित्यकारों की उपस्थिति रही। मंच से कवि पंकज राठौर प्रखर के काव्यपाठ को भी भरपूर सराहना प्राप्त हुई। क्षेत्र के साहित्य एवं संस्कृति प्रेमियों, शिक्षा संस्थानों, युवा साहित्यकारों व कवि पंकज राठौर प्रखर के परिजनों द्वारा इस उपलब्धि पर हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त की गई है। यह सम्मान न केवल राठौर की साहित्यिक साधना का सम्मान है, बल्कि यह ग्राम सिंघाना की सांस्कृतिक पहचान को भी नई प्रतिष्ठा प्रदान करता है। कवि पंकज 10 साल से साहित्य साधना में जुड़े हुए हैं और कई बड़े मंचों पर कविता पाठ कर चुके हैं।

तत्व चिंतन से आत्म चिंतन की ओर चातुर्मास का लक्ष्य - साध्वीजी तत्वलता श्रीजी

टांडा में साध्वीजी भगवंतों का भव्य मंगल प्रवेश

टांडा धार - गुरु के बिना ज्ञान की प्राप्ति नही होती। धर्म आराधना करने कराने की व्यवस्था चातुर्मास है। यह चातुर्मास तत्व चिंतन चातुर्मास है। इस चातुर्मास में आत्म चिंतन करना है। चातुर्मास का मुख्य उद्देश्य भगवान महावीर के सिद्धांत अहिंसा परमोधर्म का पालन करना। हम परमात्मा की आज्ञा के अनुसार चले। हमे इस चातुर्मास में समझना है धर्म क्या है ,परमात्मा की आज्ञा क्या है। वर्तमान में सभी खिलोने(मोबाइल) में खो गए है। आश्रव क्या है संवर क्या है। जीवो की हिंसा नही करना, ।जहां गुरु के प्रति समर्पण होता है वहा धर्म प्रभावना होती है। उक्त प्रेरणादायक प्रवचन साध्वीजी तत्वलता श्रीजी म.सा.ने टांडा में चातुर्मास प्रवेश के पश्चात आराधना भवन में आयोजित धर्म सभा मे व्यक्त किए।

मालवा की पुण्यभूमि धर्मनगरी टांडा में शनिवार को प्रात: 8 बजे पूज्य साध्वीजी तत्वलता श्रीजी म.सा., साध्वीजी कुसुमलता श्रीजी , साध्वीजी जिनांगयशा श्रीजी म.सा.,साध्वीजी करुणालता श्रीजी म.सा. की आगवानी टांडा जैन श्रीसंघ एवं परिषद परिवार टांडा ने पुलिस थाना के सामने की। यहां से एक भव्य प्रवेश चल समारोह नगर के प्रमुख मार्ग से निकला। जिसमे बहु परिषद की सदस्याएं सर पर कलश लेकर चल रही थी। प्रथम बग्घी में गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्र सुरीश्वरजी म.सा . की तस्वीर लेकर श्री संतोष कुमारजी डांगी परिवार के एवं दूसरी बग्घी में गुरूदेव पूण्य सम्राट श्रीमद्विजय जयंतसेन सूरीश्वरजी म.सा. की तस्वीर लेकर श्रीमती स्नेहलता रमेशचंद्र पगारिया परिवार के सदस्य बैठे थे। बेंड बाजे, ढोल ढमाकों के साथ निकले चल समारोह में युवा, बालक बालिकाएं, महिलाएं चातुर्मास उत्साह में थिरक रहे थे। नवकार ग्रुप की महिलाएं धर्म ध्वजा लहराते चल रही थी। उक्त अवसर पर राजग?, रिंगनोद, बाग, कुक्षी, लाबरिया, दसई, बरमण्डल, धार, रतलाम, ब?नगर, बदनावर, नागदा (ज.), जावरा, झाबुआ,पारा, पेटलावद, जोबट,मेघनगर, करव?, कल्याणपूरा, राणापुर, बोरी, मनावर, सारंगी, झालोद, थांदला, इंदौर, मुंबई, सायला, अहमदाबाद, भीनमाल, धामंदा, क?ोद, कुशलग?, विजयवा?ा, इंद्रापुर, कल्याण, कामसेट, वापी, आदि जगहों से अनेक लोगो सम्मिलित होकर जिनशासन की शोभा ब?ाई।

> स्वागत उद्बोधन टांडा जैन श्रीसंघ अध्यक्ष पारसजी तलेसरा के बाद स्वागत गीत श्रीमती करुणा श्रीश्रीमाल व श्रीमती प्रज्ञा श्रीश्रीमाल, हैप्पी बाफना, प्राची कांकलिया, माही गादिया प्रेक्षा चौधरी ने प्रस्तुत किये। म.प्र. त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ अध्यक्ष, सुरेशजी तांते?, नवयुवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रकाशजी छाजे?, टांडा चातुर्मास समिति अध्यक्ष विनयजी बाफना ने भी अपने विचार व्यक्त किए। टांडा श्रीसंघ की और से जैन श्रीसंघ व नवयुवक तरुण परिषद के राष्ट्रीय - प्रादेशिक पदाधिकारी व प्रमुख जनों का तिलक लगाकर माला, शाल श्री?ल से बहुमान किया गया। बाहर से पधारें समस्त श्रीसंघ सदस्यों का, साध्वीजी भगवन्तों के सांसारिक परिवार के आए सदस्यों का टांडा श्रीसंघ की ओर से भाव व्यक्त कर अभिनन्दन, स्वागत किया गया। साध्वीजी श्री को कामली ओ?ने का लाभ श्री सुधीर कुमारजी पावेचा परिवार धार, गुरुपूजा का लाभ श्री पारसमलजी हस्तिमलजी भंडारी परिवार सायला निवासी, चातुर्मास कलश स्थापना का श्री पारसमलजी रतनलाल जी डांगी व चातुर्मासिक अखंड दीपक का लाभ श्री प्रकाशचंद्रजी पन्नालालजी लो?ा परिवार ने लाभ लिया। कार्यक्रम के पश्चात गुरुदेव की आरती का लाभ श्री पारसमलजी समीरमलजी तलेसरा परिवार ने लिया। कार्यक्रम का सुंदर संचालन पारसजी हरण एवं गौतम श्रीश्रीमाल ने किया। श्रीसंघ की ओर से प्रभावना वितरित की गई। सुबह की नवकारसी का लाभ सुगनबाई श्रावक रत्न रतनलालजी श्रीश्रीमाल परिवार एवं स्वामीवत्सल्य का लाभ श्री पारसमलजी समीरमल जी तलेरा परिवार ने लिया। श्रीसंघ की ओर से सभी आगन्तुक मेहमानों का आभार निर्मलजी श्रीश्रीमाल ने व्यक्त किया।

देवशयनी एकादशी कल, वर्षों बाद अद्भुत ग्रह संयोग, 4 माह बंद रहेंगे शुभ कार्य

धार. देवशयनी एकादशी कल 6 जुलाई को मनाई जाएगी , देवशयनी पर वर्षों बाद ग्रहों का अद्भुत संयोग , एकादशी के बाद गुरु और शनि, बुध ये ग्रह बदल रहे अपनी चाल, चातुर्मास में चार महीनों के लिए सभी शुभ कार्य बंद

इस दिन से भगवान विष्णु क्षीर सागर में तथा भागवत पुराण के हिसाब से पाताल लोक में शयन करते हैं।(डॉ. अशोक शास्त्री) आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवशयनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। इसे 'हरिशयनी एकादशी', 'पद्मा एकादशी' और 'आषाढ़ी एकादशी' भी कहा जाता है। इसी दिन से भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं। यह समय चातुर्मास का प्रारंभ होता है, जो चार महीनों तक चलता है। देवशयनी एकादशी का व्रत कल जुलाई को रखा जाएगा।

इस संदर्भ में मालवा के प्रसिद्ध ज्योतिष गुरु डॉ. अशोक शास्त्री ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस दिन से भगवान विष्णु क्षीर सागर में तथा भागवत पुराण के हिसाब से पाताल लोक में शयन करते हैं और फिर प्रबोधिनी एकादशी (कार्तिक शुक्ल एकादशी) को जागते हैं। इन चार महीनों को देवताओं का विश्राम काल कहा जाता है। इस दौरान विवाह, गृह प्रवेश, यज्ञादि मांगलिक कार्य वर्जित होते हैं।

डॉ. अशोक शास्त्री के मुताबिक़ देवशयनी एकादशी पर अबकी बार ग्रहों का अद्भुत संयोग बन रहा है। देवशयनी एकादशी कल 6 जुलाई रविवार को है। देवशयनी एकादशी पर अबकी बार सालों बाद गुरु आदित्य योग का अद्भुत संयोग बन रहा है। मिथुन राशि में गुरु और सूर्य की युति से गुरुआदित्य योग बन रहा है। देवशयनी एकादशी पर भगवान विष्णु 4 महीने के लिए योग निद्रा में चले जाते हैं। अबकी बार गुरुआदित्य योग जैसा धनदायक योग होने पर विभिन्न राशियों के लोगों को बहुत लाभ होगा । देवशयनी एकादशी पर ग्रहों के एक साथ कई अद्भुत संयोग बन रहे हैं। इसके अलावा देवशयनी एकादशी पर शुभ योग, साध्य योग, त्रिपुष्कर योग और रवि योग का शुभ संयोग बन रहा है।

डॉ. अशोक शास्त्री ने बताया कि देवशयनी एकादशी के बाद से ग्रहों में बड़ा फेरबदल होने वाला है। दरअसल दे?वशयनी एकादशी के बाद से 9 जुलाई 2025 से 13 जुलाई 2025 तक दो बड़े ग्रह शनि और गुरु की चाल में बदलाव हो रहा है। गुरु जो अस्त हो गए थे, अब 9 जुलाई को उदय होंगे, इसके अलावा शनि जो अभी मीन राशि में मार्गी है, वो अब वक्री होंगे। शनि करीब नवंबर तक वक्री रहेंगे। इसके बाद सूर्य कर्क राशि में जाएंगे। इसके बाद सूर्य का दक्षिणायन काल शुरू हो जाएगा। वहीं 18 जुलाई को बुध भी वक्री हो जाएंगे। इस प्रकार कई ग्रहों में हलचल देवशयनी एकादशी के बाद ही होगी।

एक नजर
हाई ब्लड प्रेशर व शुगर वाले वृद्धजन आँखों के प्रति ज्यादा सतर्क रहें- डॉ

आँखे अनमोल है। आँखे हमारे शरीर का महत्वपूर्ण अंग है। हाई ब्लड प्रेशर व शुगर वाले वृद्धजन आखों के प्रति ज्यादा सतर्क रहे। लापरवाही से आंखों की रोशनी हमेशा के लिए जा सकती है। घबराएं नहीं वृद्धजन वर्षा ऋतु में आंखों के प्रति विशेष सतर्क रहें। बार बार आखों को मसलना, ज्यादा पुरानी व खुली हुई आईड्रॉप उपयोग हानिकारक होता है। ये विचार प्रसिद्ध आँख रोग सर्जन डॉ त्वरित ठाकुर ने

भोज शोध संस्थान के स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प सुपर 60 प्लस के 88 मासिक विशेष रोग का शिविर नि:शुल्क जांच व दवाई वितरण शिविर में व्यक्त किए।

सुपर प्लस 60 का मासिक शिविर अक्टोबर 2017 से प्रतिमाह की 5 तारीख को प्रात:

8 बजे 10 बजे तक भोज शोध संस्थान विक्रम ज्ञान मंदिर लाल बाग परिसर धार आयोजित होता है। मोतियाबिंद, ग्लूकोमा व रेटिना के विशेष जांच शिविर के अवसर पर सभी उपस्थित वृद्धजन की रेटिना की विशेष जांच आगामी 8 दिनों तक ठाकुर आई सेंटर पर नि:शुल्क की जाएगी। जांच कार्य में सहयोग अभिषेक पांडे, प्रकल्प संयोजक दुर्गेश नागर, सत्कार अधिकारी अर्जुन सिंह सिसोदिया का रहा। भजन गायक नरवर सिंह ठाकुर, रामचन्द्र सोलंकी, नंदकिशोर उपाध्याय द्वारा गीत, कविता, भजनों की प्रस्तुतियां दी गई। संस्थान से जु? कार्यकर्ता पराग भोसले के आकस्मिक देहावसान पर सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। आभार व स्वागत उद्बोधन भोज शोध संस्थान के निदेशक डॉ दीपेंद्र शर्मा ने व्यक्त किया। जीजामाता महिला मंडल की ओर से श्रीमती मीनाक्षी लहरे द्वारा पोषण आहार उपलब्ध करवाया गया। यह जानकारी मीडिया प्रभारी राकी मक्क? ने दी।